[illegible] .... सिकराय ....

सरकार बनाम .... हरिनारायण [illegible] ....

मुकदमा [illegible] .... मु० नं० ...... 7/18 ....

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नंबर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
पत्रावली पेश हुई वकील वादी [illegible] [illegible] । [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ह0	
पत्रावली पेश हुई वकील [illegible] [illegible] की [illegible] प्राप्त नहीं [illegible] [illegible] 13-2-20 को पेश हो [illegible] पेश हो ह0	
पत्रावली पेश हुई। वकील वादी व वादी दोनो में से कोई भी उप० नहीं। बार बार रूक रूक कर आवाज लगाई गई लेकिन कोई भी उप० नहीं हुआ। अतः दावा वादी अदमहाजरी एवं अदम पैरवी में खारीज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार हो कर नम्बर से कम हो निर्णय मेरे द्वारा लिखवाया जा कर खुले न्यायालय में सुनाया गया। ह0 18/2/2020	

Signature Not Verified
Digitally signed by Haritabh Kumar Aditya
Date: 2020.03.03 14:19:52 IST
Reason: SelfAttested